संत शिरोमणि गुरू रविदास शासकीय महाविद्यालय, सरगांव, जिला–मुंगेली (छ.ग.)
(College Code-2904) www.ssgrgcsargaon.ac.in **email-ssgrgovtcollegesargaon@gmail.com**

Course Outcome

Class- B. Com. I, II & III
Subject - Commerce

महाविद्यालय में वाणिज्य विषय के स्नातक स्तर की कक्षाऐं संचालित होती हैं। संचालित पाठ्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न व्यवसायिक विषयों का अध्यापन कार्य किया जाता है। विद्यार्थियों को लेखांकन प्रक्रिया एवं व्यवसाय की सामान्य प्रक्रिया का ज्ञान देना विभाग का प्रमुख उद्देश्य है । हमारे पाठ्यक्रम के विभिन्न विषयों का इस प्रकार समायोजन किया गया है कि विद्यार्थी कंपनियों की कार्य प्रणाली, बाजार परिचालन व्यवस्था, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विपणन की व्यवस्था एवं कठिनाइयों तथा व्यापार हेतु आवश्यक व्यापारिक पर्यावरण के साथ–साथ अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, बैंकिग व्यापार एवं व्यवसाय में प्रयोग होने वाले आधुनिक उपकरण, तकनीकों संपर्क के साधनों, भाव अभिव्यक्ति, श्रम कानुनों, व्यापार व्यवसाय की स्थापना नियम, लाइसेंस प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा आयकर, विक्रय कर तथा जीएसटी के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान करती है। इस त्रिवर्षीय वाणिज्य पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात् छात्र स्वरोजगार की ओर अग्रसर होतें हैं।

प्रो. जे. के. शर्मा
प्रो. अनुराधा दीवान
वाणिज्य संकाय विभाग

Principal
Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. College, Sargaon
Distt. Mungeli (C.G.)

संत शिरोमणि गुरू रविदास शासकीय महाविद्यालय, सरगांव, जिला–मुंगेली (छ.ग.)
(College Code-2904) www.ssgrgcsargaon.ac.in email-ssgrgovtcollegesargaon@gmail.com

Course Outcome

Class- B. A. I, II & III

Subject – Political Science

1. राजनीति विज्ञान विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण विषय है क्योंकि इसके अध्ययन से विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों की जानकारी मिलती है। जैसे विद्यार्थियों को अंतर्राज्यीय राजनीति व अंतर्राष्ट्रीय कानून की जानकारी दी जाती है। जिससे विद्यार्थी राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय कानून के द्वारा विभिन्न देशों की समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया को समझतें हैं। इसके साथ ही वे राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभातें हैं।
2. विद्यार्थियों को मानव अधिकार के बारे में बताया जाता है जिससे वे अपने विभिन्न अधिकारों के बारे में सचेत रहें, क्योंकि इन अधिकारों के बिना व्यक्ति अपने व्यक्तित्व का विकास नहीं कर सकता है। इसीलिए मानव अधिकार आयोग द्वारा व्यक्ति के विभिन्न अधिकारों की व्यवस्था संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर में कर दी गयी है।
3. विद्यार्थियों को बजट की अवधारणा के बारे में भी बताया जाता है, क्योंकि वित प्रशासन का महत्वपूर्ण अंग होता है । बजट आधुनिक राज्यों में राष्ट्र की आर्थिक नीति को संचालित व नियंत्रित करने के विशिष्ट साधन होते है, जिसे वे समझ सकें।
4. वर्तमान युग वैश्वीकरण एवं उदारीकरण का युग है वैश्वीकरण एकरूपता एवं समरूपता की वह प्रक्रिया है जिसमें संपूर्ण विश्व सिमट कर एक हो जाता है । एक देश की सीमा से बाहर अन्य देशों में वस्तुओं एवं सेवाओं का लेन देन करने वाले अंतर्राष्ट्रीय नियमों या बहुराष्ट्रीय नियमों के साथ देश के उद्योगों की संबधता वैश्वीकरण है । इससे वर्तमान समय में विद्यार्थियों को बहुत सीख मिल रही है, जिससे वे अपना खुद का भी उद्योग डाल सकते हैं।
5. तुलनात्मक शासन एवं राजनीति के बारे में भी विद्यार्थियों को शिक्षा दी जाती है जिससे वे एक देश के संविधान का दूसरे देश के संविधान से तुलनात्मक अध्ययन कर सके ।
6. राजनीतिक प्रक्रिया में नारी की क्या भूमिका होनी चाहिए इसके बारे में भी छात्रों को शिक्षा दी जाती है ताकि नारी समाज में अपना स्थान सुरक्षित कर सकें । वैसे तो राजनीतिक प्रक्रिया का प्रथम चरण मताधिकार होता है तथा महिलाओं को मताधिकार प्राप्त करने के लिए लंबा संधर्ष करना पड़ा । यह संधर्ष न केवल लंबा वरन कठिन और संधर्ष पूर्ण भी था। न केवल एशिया और अफ्रिका के विकासशील राज्यों में बल्कि फ्रांस, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे विकसित देशों में भी महिलाओं को आधी सदी तक संधर्ष करना पड़ा है और इससे भी बच्चों को काफी शिक्षा मिलती है।

डॉ. श्रीमती मधुर वीणा बक्सला
सहा.प्राध्यापक. राजनीति विज्ञान

Principal
Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. College, Sargaon
Distt. Mungeli (C.G.)

संत शिरोमणि गुरू रविदास शासकीय महाविद्यालय, सरगांव, जिला–मुंगेली (छ.ग.)
(College Code-2904) www.ssgrgcsargaon.ac.in email-ssgrgovtcollegesargaon@gmail.com

Course Outcome

Class- B. A. I, II & III

Subject - Hindi

आधार पाठ्यक्रम हिन्दी भाषा–

महाविद्यालय में संचालित सभी संकायों एवं कक्षाओं में आधार पाठ्यक्रम के रूप में हिन्दी भाषा का अध्यापन किया जाता है। इसके अन्तर्गत छात्र हिन्दी भाषा का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करतें हैं। हिन्दी व्याकरण के अध्ययन के साथ–साथ वे पत्र लेखन, निबंध लेखन, संक्षेपण, नोट शीट तैयार करना, ज्ञापन लेखन, आदि प्रविधियों का ज्ञान प्राप्त करतें हैं। इनके अलावे छात्र इस पाठ्यक्रम के माध्यम से शुध्द खड़ी हिन्दी बोलना, लिखना तथा त्रुटिपूर्ण लेखन को शुध्द करना सीखतें हैं। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति की जानकारी के अभाव में विद्यार्थी का ज्ञान अधूरा रह जाता है। इस बात को ध्यान में रखतें हुए आधार पाठ्यक्रम हिन्दी भाषा के पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति की शिक्षा दी जाती हैं।

हिन्दी साहित्य–

वैकल्पिक विषय के रूप में हिन्दी साहित्य की शिक्षा कला संकाय के छात्रों को त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम के माध्यम से दी जाती है। इसके लक्ष्य, दृष्टि एवं पाठ्यक्रम की विशेषताएं निम्नानुसार हैं–

लक्ष्य – हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा है। राष्ट्र के समुचित विकास के लिए राष्ट्रभाषा की उन्नति आवश्यक है । जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मनुष्य को अपने भावों की अभिव्यक्ति के लिए भाषा की आवश्यकता होती है । सशक्त और समृद्व भाषा व्यक्तित्व के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है । हिन्दी साहित्य के अध्ययन के द्वारा हम भाषा पर अधिकार प्राप्त कर अपनी राष्ट्रभाषा एवं राष्ट्र की उन्नति में योगदान प्रदान कर सकते है। व्याकरण के ज्ञान के द्वारा अशुद्वियों को दूर कर एक परिष्कृत भाषा का ज्ञान प्राप्त कर जीवन के अनेक क्षेत्रों में सफलता प्राप्त की जा सकती है। भाषा का संपूर्ण ज्ञान प्राप्त करने के लिए इसकी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, पारंपरिक, साहित्यिक, शैक्षणिक पृष्ठभूमि का ज्ञान आवश्यक है। हिन्दी साहित्य के अध्ययन के द्वारा राष्ट्रभाषा का ज्ञान प्राप्त कर सामाजिक, नैतिक

विकास के साथ ही विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर उज्जवल भविष्य के निर्माण में सहयोग प्रदान किया जा सकता है।

दृष्टि – हिन्दी साहित्य के अंतर्गत राष्ट्रभाषा के व्याकरण निष्ट मानक रूप का ज्ञान प्रदान किया जाता है । साथ ही उसकी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं शैक्षणिक पृष्ठभूमि की जानकारी प्रदान की जाती है। हिन्दी में उपलब्ध विभिन्न साहित्य कार्य की रचनाओं, विभिन्न विधाओं का ज्ञान दिया जाता है । उनके शैक्षणिक एवं नैतिक विकास के साथ ही राजगारोन्मुख ज्ञान प्राप्त होता है । इसके माध्यम से छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर सकते है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता के लिए शुद्व एवं प्रभावपूर्ण भाषा आवश्यक है।

पाठ्यक्रम की जानकारी – विद्यार्थियों के सर्वागीण विकास को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम तैयार किया गया है । प्राचीन कवियों की भक्ति एवं नीतिपरक रचनाओं के साथ ही सामाजिक बुराई एवं अंध विश्वासों का विरोध किया गया है । कथा साहित्य के अंतर्गत जीवन में आदर्श और यथार्थ के समन्वय को प्रदर्शित किया गया है। गद्य साहित्य की विभिन्न विद्याओं के द्वारा मनुष्य के अनुभव को प्रस्तुत किया गया है । हमारे राष्ट्र में राष्ट्रभाषा हिन्दी के अतिरिक्त विभिन्न बोलियां एवं भाषाऐं बोली जाती हैं। जनपदीय भाषा छत्ततीगढ़ी निरंतर विकास की ओर अग्रसर है। इसमें उपलब्ध समूह साहित्य का ज्ञान प्रदान किया जाता है। मनुष्य के विकास में सशक्त ओर प्रभावपूर्ण भाषा अत्यंत आवश्यक है। हिन्दी भाषा के साहित्य का इतिहास के द्वारा परिनीष्ठित व्याकरण निष्ठ हिन्दी का ज्ञान प्रदान किया जाता है।

हिन्दी भाषा के व्याकरण निष्ठ, परीनिष्ठत ज्ञान, इसकी सामाजिक सांस्कृतिक साहित्यिक पृष्ठभुमि की जानकारी के साथ ही रोजगारपरक अक्सर व प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता की दृष्टि से भी हिन्दी साहित्य का अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण है। हिन्दी भाषा में रोजगार में प्रयाप्त अवसर है। यूपीएससी तथा विभिन्न राज्य सेवा आयोग में अवसर प्राप्त होते हैं पत्रकारिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की जा सकती है । अनुवादक एंव द्विभाषिक अनुवादक के अवसर प्राप्त होते हैं। हिन्दी अधिकारी (बैंकिग, डाक विभाग, रेल्वे) रेडियो, टीवी, सिनेमा आदि से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार की दृष्टि से हिन्दी साहित्य का अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण एंव उपयोगी है।

डॉ. रेखा शर्मा
स्हा. प्राध्यापक हिन्दी

Principal
Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. College, Sargaon
Distt. Mungeli (C.G.)

संत शिरोमणि गुरू रविदास शासकीय महाविद्यालय, सरगांव, जिला–मुंगेली (छ.ग.)
(College Code-2904) www.ssgrgcsargaon.ac.in email-ssgrgovtcollegesargaon@gmail.com

Course Outcome

Class- B. A. I, II & III

Subject – Economics

1 बी.ए. अर्थशास्त्र त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम में सूक्ष्म अर्थशास्त्र, भारतीय अर्थव्यवस्था, मुद्रा बैंकिग एवं राजस्व वृद्वि तथा विकास सिद्वांत एवं सांख्यिकी के प्रश्न पत्र समाहित हैं।

2 सूक्ष्म एवं समष्टिगत अर्थशास्त्र के अध्ययन से विद्यार्थियों को विषय के मूल तत्वों, राष्ट्रीय आय की अवधारणा, रोजगार सिद्वांत एवं अंतराष्ट्रीय व्यापार के सिद्वांतों एवं महत्व को जानकर देश की अर्थव्यवस्था को समझने में मदद मिलती है।

3 भारतीय अर्थव्यवस्था तथा मुद्रा बैंकिंग एंव राजस्व के अध्ययन से विद्यार्थियों को भारतीय अर्थव्यवस्था की मूल प्रकृति का ज्ञान एवं कृषि औधोगिक विकास की स्थिति एवं समस्याओं की समझ विकसित होती है । आज के मौद्रिक अर्थव्यवस्था में मुद्रा की प्रकृति एवं उसके कार्य, मुद्रा मूल्य में होने वाले परिवर्तनों की जानकारी, बैंक एवं उनके कार्य और सृजन एवं साख सृजन एवं साख नियंत्रण, रेपो रेट, रिवर्स रेपोरेट, सी.आर.आर, एस.एल. आर. की जानकारी विद्यार्थियों को मुद्रा एवं बैंकिंग प्रणाली की व्यवहारिक जानकारी देते है। जो दिन प्रतिदिन के व्यवहार के लिए आवश्यक है।

4 विकास सिद्वांत एवं पर्यावरणीय अर्थशास्त्र विद्यार्थियों को विकासशील देशों के लिये आर्थिक विकास सिद्वांत एवं संपोषित विकास की अवधारणा का ज्ञान कराते हैं । मानव विकास सूचकांक, मानव पूंजी निर्माण तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा एवं महिला बाल विकास के मदों पर व्यय के महत्व पर प्रकाश डालते हैं। आर्थिक विकास की पर्यावरण के मानकों पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव की जानकारी देकर विद्यार्थियों को देश के भावी प्रबुध्द नागरिक बनने की प्रेरणा देते है, जिसकी सोंच पारिस्थितिकी मित्रतापूर्ण है।

5 अंत में, सांख्यिकी का ज्ञान अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों को शोध कार्य हेतु प्रेरित करता है। किसी की अर्थव्यवस्था के भावी विकास के लिए अच्छी योजनाओं की आवश्यकता होती है एवं योजनाओं की सफलता के लिये जरूरी है आंकड़े विश्वसनीय एवं शुध्द हों।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा प्रजा तांत्रिक देश है जो विश्व में अपनी सभ्यता, संस्कृति एवं मानव मूल्यों के किया जाता है। अर्थशास्त्र विषय के साथ स्नातक उतीर्ण छात्र निश्चित ही एक ऐसे नागरिक के रूप में अपनी भूमिका अदा करने में समर्थ होंगें जो भावी सही में भारत को गरीबी, बेरोजगारी अंशिका एवं कुपोषण के दुष्चक से बाहर निकालकर सही अर्थो में एक लोक कल्याणकारी राज्य के रूप में प्रतिष्ठित कर सकें।

डॉ. आलोक कुमार चंदेल
प्राध्यापक. अर्थशास्त्र विभाग

Principal
Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. College, Sargaon
Distt. Mungeli (C.G.)

संत शिरोमणि गुरू रविदास शासकीय महाविद्यालय, सरगांव, जिला–मुंगेली (छ.ग.)
(College Code-2904) www.ssgrgcsargaon.ac.in email-ssgrgovtcollegesargaon@gmail.com

Course Outcome

Class- B. A. I, II & III

Subject – Sociology

1. स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम (समाजशास्त्र) को पढ़ने से छात्रों के ज्ञान में वृद्वि तो हुई है साथ ही साथ अपने सामाजिक दायित्वों को बदलते हुए परिवेश में कैसे निभाया जाय इसकी प्रेरणा भी मिली है।

2. विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं मे मुख्य विषय हेतु समाजशास्त्र के चयन से होने वाले फायदे समाजकल्याण, श्रम कल्याण, महिला बाल कल्याण, सामाजिक सुरक्षा, सुपरवाइजर आदि क्षेत्रों में इस विषय की प्राथमिकता ज्ञात हुई।

3. छात्रों को सामाजीकरण के साथ ही एक अच्छे नागरिक व सामाजिक प्राणी बनने हेतु समय समय पर मार्गदर्शन व सहयोग का लाभ मिला।

4. अपराध शास्त्र के अध्ययन से अपराध व उसकी प्रवृति जानने से युवा वर्ग स्वयं अपराध से तो बचेगा ही अपने आसपास होने वाले अपराधों की रोकथाम हेतु भी सजग रहेगा। इस विषय के कारण उसे प्रोवेशन अधिकारी, समाज सुधारक, सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका का दायित्व भी सौपा जाता है।

5. कार्य में मानवीय संबधों से सुधार, वर्तमान की सामाजिक समस्यायें उन पर चिंतन उसके प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण व अनुसंधान पाश्चात सार्थक समाधान हेतु भी छात्रों को एक नई दिशा मिलती है।

6. इस विषय के अध्ययन से छात्र संपूर्ण जीवन में उम्र व समय के साथ साथ समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखकर अपने सामाजिक, पारिवारिक एवं राष्ट्रीय दायित्वों का निर्वहन एक जागरूक नागरिक के रूप में करेगा।

7. अपनी संस्कृति की मौलिकता को बनाये रखने के साथ बदलते परिवेश से सामंजस्य स्थापित करना हीं समय की मांग है जिसे उन्हें सीखाया जाता है।

डॉ. आभा त्रिपाठी
प्राध्यापक, समाजशास्त्र विभाग

Principal
Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. College, Sargaon
Distt. Mungeli (C.G.)